Training & Placement Cell
Dr. A.P.J. ABDUL KALAM UNIVERSITY, INDORE

Date : 28th March, 2023

Career Guidance Notice

जानना जरूरी है... विद्यार्थी 10वीं के बाद रुचि, योग्यता और क्षमता के अनुरूप किसी भी विषय का चुनाव करें, सभी में कॅरियर के बहुत सारे मौके हैं

विद्यार्थी कोई भी विषय चुनें, लेकिन ध्यान में रखें कि अब कंपनियां जॉब के लिए उन्हें प्राथमिकता दे रही हैं, जिनके पास डिग्री के साथ एक्स्ट्रा स्किल्स हैं

इंदौर/भोपाल | DBStar

अच्छे कॅरियर के लिए 10वीं के बाद रुचि, योग्यता और क्षमता के आधार पर विषय चयन की जरूरत होती है। 10वीं के बाद से ही नए दौर के स्किल्स सीखने की ओर भी ध्यान दिया जाना जरूरी है। प्रत्येक स्टूडेंट्स को यह बात अच्छी तरह समझनी होगी कि चाहे आप 10वीं के बाद पीसीएम, पीसीबी, कॉमर्स, एग्रीकल्चर या आर्ट्स किसी भी विषय का चयन करें, सभी विषयों में नई स्किल्स से सुसज्जित होने पर कॅरियर के मौके पहले की तुलना में अधिक हैं। विद्यार्थी किसी भी विषय का चयन करें, लेकिन इस बात को जरूर ध्यान में रखे कि पहले कंपनियों के लिए डिग्रियां ही जॉब देने का पैमाना थीं। लेकिन अब कंपनियों के लिए डिग्री के साथ एक्स्ट्रा स्किल्स प्राथमिकता हो रही है। अमेजन वेब सर्विसेस इनकॉर्पोरेशन की एक रिपोर्ट के मुताबिक भारत में डिजिटल स्किल्स की जरूरत 2025 तक बढ़कर नौगुना हो जाएगी।

एक्सपर्ट

डॉ. जयंतीलाल भंडारी, शिक्षाविद् एवं कॅरियर मार्गदर्शक

Q. कॅरियर को ध्यान में रखकर 10वीं के बाद स्टूडेंट्स किस विषय का चयन करें?

A. दसवीं के बाद अच्छा कॅरियर बनाने के लिए विषय चयन सबसे शुरुआती और महत्वपूर्ण पड़ाव होता है। यह बात महत्वपूर्ण है कि विषय चयन करते समय स्टूडेंट्स की रुचि, योग्यता और क्षमता को देखना चाहिए। अक्सर पैरेंट्स अपने बच्चों पर दबाव बनाते हैं कि वे उनके मुताबिक विषय चुनें। वास्तव में यह अच्छे कॅरियर का संकेत नहीं हो सकता है। 10वीं के बाद पीसीएम, पीसीबी, कॉमर्स, एग्रीकल्चर और आर्ट्स प्रमुख बेसिक सब्जेक्ट हैं। इनमें से किसी भी विषय को लिया जाए, उसके साथ अतिरिक्त विषय लिए जा सकते हैं। इनमें मैथ्स, कंप्यूटर साइंस, आईटी, इंट्रप्रनरशिप, फिजिकल एजुकेशन शामिल होते हैं।

Q. अतिरिक्त विषय कॅरियर में कैसे साहयक बनते हैं?

A. उदाहरण के लिए यदि स्टूडेंट कॉमर्स के साथ मैथ्स या कंप्यूटर साइंस, आईटी या आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस लेता है तो वह अपना कॅरियर कंप्यूटर साइंस और आईटी में भी बना सकता है। 10वीं के बाद अतिरिक्त विषय चुनने में भी सावधानी और

गंभीरता रखी जानी बेहद जरूरी है।

Q. यदि स्किल्स वाले कोर्स करते हैं तो वो हमें कैसे कॅरियर में काम आएंगे?

A. तमाम कोर्सेस गैर-वैज्ञानिक पृष्ठभूमि वाले विद्यार्थियों द्वारा भी सीखे जा सकते हैं। उदाहरण के लिए सप्लाई-चेन प्रबंधन, डिजाइन थिंकिंग, प्रोजेक्ट प्रबंधन, प्रोडक्ट प्रबंधन, डिजिटल मार्केटिंग की स्किल्स का भी आज बहुत महत्व है। आईटी और ब्लॉक चेन इंडस्ट्री में कोडिंग प्रोफेशनल्स के अलावा कम्युनिटी मैनेजर, कंटेंट डेवलपमेंट मैनेजर, प्रोडक्ट एंड सर्विस हेड, बिजनेस डेवलपमेंट एग्जीक्यूटिव आदि पदों के लिए मौके बढ़ते जा रहे हैं। इसके अलावा क्रिटिकल थिंकिंग, डेटा स्ट्रक्चर की समझ और अच्छी कम्युनिकेशन स्किल्स वाले स्टूडेंट्स को प्राथमिकता मिल रही है।

Q. ऑफबीट कॅरिआर के विकल्प पहले की तुलना में अब कितने लोकप्रिय हैं?

A. आपको चैट जीपीटी यानी चैट जनरेटिव प्री ट्रेन्ड ट्रांसफॉर्मर की भी जानकारी रखनी होगी। यह ओपन एआई का एक आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस चैटबॉट है। टेक्नोलॉजी की दुनिया में यह एक बड़ा बदलाव है। कोई कविता लिखनी हो या किसी कंप्यूटर प्रोग्राम के कोड्स लिखने हों, चैट जीपीटी चंद मिनटों में ही ऐसा कर देता है। एकेडमिक्स और कॅरिअर दोनों में लगातार अपनी नई-नई स्किल्स को सीखना जरूरी है। ऐसे में यह महत्वपूर्ण है कि 10वीं के बाद रुचि, योग्यता और क्षमता के अनुरूप कोई भी विषय चुना जाए, सभी में कॅरियर के मौके हैं।

Q. कॉमर्स या फिर आर्ट्स जैसी स्ट्रीम चुनते हैं तो क्या कॅरियर के लिए बेहतर ऑप्शन मिलते हैं?

A. दोनों ही विषय में अब कॅरियर को लेकर काफी सारी संभावनाएं हैं। कॉमर्स जहां आपको सीए, सीएस, मैनेजमेंट, टैक्सेशन, अकाउंटिंग के ऑप्शन देता है, वहीं ह्यूमनिटीज देश-विदेश में रिसर्च के रास्ते खोलता है। साथ ही सिविल सर्विसेज में भी आप पार्टीसिपेट कर सकते हैं। हालांकि रिसर्च किसी भी विषय में की जा सकती है।

ANIL MISHRA
(Training & Placement Officer)